हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

तापमान

अधिकतम 33 .7 डिग्री
न्यूनतम 16 .9 डिग्री

11 पीजीआईएमएस में 9वां वार्षिक पीसीसीएम ...

12 होटल पर पुलिस की रेड, अनैतिक गतिविधियों ...

खबर संक्षेप

मदविः बोहत गुट की मीटिंग आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय गैर शिक्षक कर्मचारी संघ चुनाव के सुरेश कौशिक पैनल सोमवार को अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगा। इसके लिए मीटिंग होगी। गुट के चेयरमैन एवं पूर्व प्रधान फूल कुमार बोहत ने बताया कि कर्मचारी संघ की राजनीति पर चर्चा करने और पैनल के प्रत्याशियों के नाम सार्वजनिक करने के लिए बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

आर्य स्कूल मदीना में दीपावली मेला 17 को

महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में 17 अक्टूबर को दीपावली मेला आयोजित किया जाएगा। इस दिन शाम को तीन बजे स्कूल के शिक्षक व विद्यार्थी परंपरागत तरीके से इस मेले का आयोजन करेंगे। प्रिंसिपल अशोक दांगी ने बताया कि इस मेले के जरिए विद्यार्थियों को अपनी सभ्यता, संस्कृति व रीति रिवाजों को जानने का मौका मिलेगा।

कुंडू का दिपावली मिलन समारोह व मीटिंग 19 को

महम। महम विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक रहे बलराज कुंडू द्वारा 19 अक्टूबर को सुबह दस बजे दीपावली मिलन समारोह एवं कार्यकर्ता मीटिंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 21 अक्टूबर को बलराज कुंडू के जन्म दिवस पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जांच कैंप लगाया जाएगा।

बार एसोसिएशन महम का दीपावली समारोह 17 को

महम। बार एसोसिएशन महम द्वारा कोर्ट कॉम्पलेक्स महम में स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर हॉल में दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। बार एसोसिएशन महम के प्रधान प्रदीप ढाका ने बताया कि यह समारोह दोपहर 12 बजे आयोजित किया जाएगा। सभी बार एसोसिएशन सदस्यों को निमंत्रण पत्र भेजा गया है।

युवक को पटाखों सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। दीपावली के त्यौहार को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पटाखे की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। पुलिस टीम गश्त मे मौजूद थी। वार्ड न. 03 में स्थित युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान साहिल निवासी खेडी सांपला पुत्र के रुप मे हुई। मकान से 39 पेटी, अलग-अलग 203 पैकेट, 40 डिब्बे व अन्य विस्फोटक साम्रगी बरामद हुई। युवक के खिलाफ 9 बी विस्फोटक अधिनियम एक्ट 1884 के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

आईपीएस आत्महत्या मामला : खाप पंचायतों ने विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

एसपी आवास पर एकत्र हुए खाप प्रतिनिधि

सिर्फ एक अफसर पर कार्रवाई गलत, मामले की निष्पक्ष जांच हो

बिजारणिया के समर्थन में खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। खाप पंचायतों का कहना है कि किसी एक अधिकारी को जिम्मेदार ठहराना और सजा देना उचित नहीं है। जांच में जो दोषी पाए जाने पर की जाए कार्रवाई।

चंडीगढ़ एसआईटी की टीम ने रोहतक के अधिकारियों को तलब किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आईपीएस वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले में खाप पंचायतों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। बिजारणिया के समर्थन में खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने रविवार को प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा है। खाप पंचायतों का कहना है किसी एक अधिकारी पर सारी बात डालकर उसे सजा न दी जाए, जिसका दोष है उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। हाल ही में सरकार ने पूरन कुमार सुसाइड मामले में बिजारणिया को एसपी पद से हटा कर उनकी जगह सुरेंद्र सिंह भोरिया को एसपी रोहतक की जिम्मेदारी दी है। नरेंद्र का नाम सुसाइड नोट में है और पीड़ित परिवार लगातार बिजारणिया पर कार्रवाई की मांग कर रहा था। एक दिन पहले ही कांग्रेस और दलित संगठनों ने प्रदर्शन कर एसपी को हटाने की मांग कर ज्ञापन सौंपा था।

रोहतक। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए खाप पंचायत के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी रोहतक पहुंची

पुलिस सूत्रों के मुताबिक चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी की एक टीम रोहतक पहुंची और मामले में सम्बंधित पुलिस अधिकारियों को नोटिस देकर चंडीगढ़ बुलाया है। इस दौरान टीम ने रोहतक पुलिस से गनमैन सुशील से सम्बंधित केस की फाइल भी ले ली है जिसकी वजह से एडीजीपी वाई पूरन कुमार ने सुसाइड किया है। रोहतक पुलिस के अधिकारी जल्द ही चंडीगढ़ एसआईटी के समक्ष पेश हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि आईजी कार्यालय के अधिकारियों को भी चंडीगढ़ बुलाया गया है।

मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए

खाप पंचायतों के प्रतिनिधि रविवार सुबह एसपी आवास के सामने स्थित मानसरोवर पार्क में एकत्रित हुए। इस दौरान इस मामले में अलग अलग विचार रखे गए। प्रतिनिधियों का मानना था कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। इसके बाद सभी खाप प्रतिनिधि प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे और एसडीएम आशीष कुमार के माध्यम से प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा।

36 बिरादरी का भाई चारा बना रहेः अहलावत

अहलावत खाप के प्रधान जय सिंह अहलावत ने कहा कि उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है। लेकिन किसी अधिकारी को बलि का बकरा न बनाया जाए। खाप पंचायत हरियाणा के संयोजक इंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए और पूरे समाज में 36 बिरादरी का भाईचारा बना रहे। मुख्यमंत्री नायब सैनी से अपील है कि निष्पक्ष जांच कराएं ताकि दोषी को सजा मिले और निर्दोष पर कोई कार्रवाई न हो। छात्र संगठन इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप देशवाल ने भी मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग

ज्ञापन में कहा गया है कि वाई पूरन कुमार की मौत बहुत ही दुखद घटना है। जिससे पूरा प्रदेश व समाज का हर व्यक्ति आहत है। घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा जो भी कार्रवाई हो कानून के अनुसार होनी चाहिए। किसी निर्दोष पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

गनमैन मामले की निष्पक्ष जांच हो

इसके अलावा वाई पूरन कुमार के गनमैन सुशील कुमार के खिलाफ शराब कारोबारी से रिश्वत मांगने के मामले की भी निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। गनमैन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

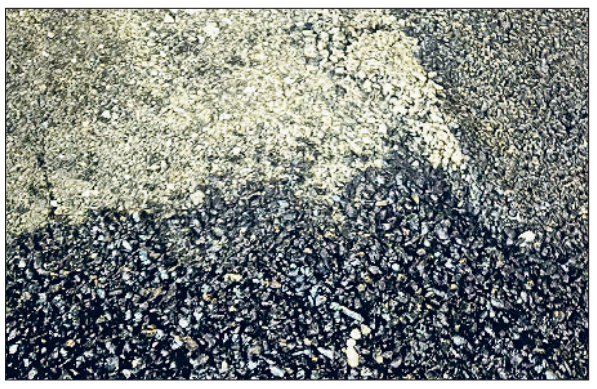

चार साल से उखड़ी सड़क को अब बनाया तो ऐसा कि पैरों से उखड़ रही, गुणवत्ता पर उठे सवाल

सेक्टर-27 में घटिया सड़क निर्माण पर लोगों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा सेक्टर-27 में बनाई गई नई सड़क अब विवादों में है। लोगों का आरोप है कि विभाग ने सड़क निर्माण में बेहद घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया है। आलम यह है कि सड़क की सतह को लोग पैरों से ही उखाड़ सकते हैं। जगह-जगह दरारें पड़ चुकी हैं और कुछ हिस्सों पर तो तारकोल का नामोनिशान तक नहीं है। क्षेत्र के लोगों में इस घटिया निर्माण को लेकर भारी रोष है। खाप संरक्षक महेंद्र नांदल का कहना है कि पिछले चार वर्षों से सड़क पूरी तरह उखड़ी पड़ी थी, जिससे उन्हें आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। हाल ही में जब एचएसवीपी ने सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया तो लोगों को उम्मीद थी कि अब समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। लेकिन नई बनी सड़क कुछ ही दिनों में टूटने लगी, जिससे लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। सेक्टर-27 में अब 100 से ज्यादा मकान बन चुके हैं और यहां की आबादी तेजी से बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि सड़कें आवागमन की जीवनरेखा हैं, लेकिन विभाग ने सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए सड़क बना दी।

जांच करवाई जाएगी

अगर इस तरह की कोई शिकायत है तो इसकी जांच करवाई जाएगी। घटिया सामग्री का प्रयोग बिल्कुल नहीं करवाया जाएगा। अगर इस तरह की गड़बड़ है तो उसकी पूरी तरह से जांच होगी। लापरवाई कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। -जगमाल, कार्यकारी अभियंता, एचएसवीपी

रोड़ियों में तारकोल नहीं

लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण में मानकों की पूरी तरह अनदेखी की गई है। न तो पर्याप्त मोटाई रखी गई, न ही तारकोल और रोड़ियों का अनुपात सही रहा। कई जगहों पर तो सतह पर मिट्टी झलक रही है, जिससे यह साफ है कि कोलतार की परत बेहद पतली डाली गई है।

अहोई अष्टमी का पर्व आज, बाजारों में काफी भीड़ देखने को मिली

माताएं संतान की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि के लिए रखती है व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

अहोई अष्टमी का पर्व सोमवार को मनाया जाएगा। ऐसे में लोगों ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। बाजार भी इसके लिए पूरी तरह है। त्योहार को लेकर बाजारों में पूजन सामग्री, सजावट के सामान, व्रत का सामान, फल, मिठाइयों की दुकानें पूरी तरह सज गई हैं। अहोई अष्टमी के लिए बाजारों में महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। वहीं ट्रैफिक प्लान लागू होने के बावजूद शहर में कई घंटों तक जाम देखने को मिल रहा है। अहोई अष्टमी को लेक व्रत, पूजन के साथ कपड़ों की दुकान, रेडिमेड गारमेंट, साड़ी शॉप आदि पर भी भीड़ है। शहर के मॉडल टाउन, पॉवर हाउस, गांधी कैंप, प्रताप चौक, चमेली मार्केट, किला रोड, गोहाना रोड, शौरी मार्केट, रेलवे रोड आदि बाजार सहित तमाम स्थानों पर दुकानदारों ने पूजा सामग्री, दीये, अहोई माता की तस्वीरें, नई साड़ियां और सजावट का सामान सजा रखा है। मिठाई की दुकानों पर भी भीड़ नजर आ रही है। दुकानदार राजकुमार और पवन ने बताया कि करवाचौथ के बाद महिलाएं अहोई अष्टमी व्रत एवं पर्व को लेकर काफी उत्साहित होती हैं। पूजा के लिए अहोई माता की तस्वीरें, चुनरी और दीपदान के सामान की सबसे ज्यादा बिक्री हो रही है। दुकानदारों ने बताया कि अहोई अष्टमी पर मिठाई की भी बहुत मांग रहती है। इसके अलावा बाजार में कलश और दीयों की खूब खरीदारी हो रही है। डिजिटल अहोई माता की फोटो फ्रेम और सुंदर थाली सेट खूब बिक रहे हैं।

सोनीपत जम्मू-कटरा एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे में 4 लोगों की मौत मामले में आरोप

सड़क बनाने वाली कंपनी की लापरवाही की वजह से गई चार युवकों की जान, नहीं था कोई निशान

सोमबीर अंकित लोकेश बबलू।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव घिलौड़ कलां में हाइवे पर शनिवार को हुए दर्दनाक हादसे में चार युवकों की जान चली गई। माना जा रहा है कि रोड रोलर के पास कोई सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया था। जिसकी वजह से हादसा हुआ। गांव रूखी के नजदीक गोहाना में सड़क का काम चल रहा है। जब ये युवक अपनी गाड़ी से लौट रहे थे, तब सड़क के कंस्ट्रक्शन वर्क में लगा रोड रोलर सड़क पर ही खड़ा था। इनकी गाड़ी तेज गति में बेकाबू होकर इसी रोड रोलर से टकरा गई। हादसे में गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। एक्सीडेंट के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को भी मामले की सूचना दी। अस्पताल में डॉक्टर ने बाकी तीनों युवकों को भी मृतक घोषित कर दिया। गांव घिलौड़ कलां के सरपंच अनिल सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि नेशनल हाईवे पर अथॉरिटी द्वारा किसी भी प्रकार का कोई कंस्ट्रक्शन वर्क को लेकर अलर्ट साइन नहीं लगाया गया था। नेशनल हाईवे अथॉरिटी और ठेकेदार की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है और गांव के 4 लड़कों की मौत हो गई। लापरवाही की वजह से और हादसे होने का भी अंदेशा है।

रोहतक। अंतिम संस्कार के लिए जाते परिजन एवं अंतिम संस्कार में कलानौर से विधायक शकुंतला खटक, कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा,भाजपा नेता संचित नांदल व अन्य लोग। फोटो : हरिभूमि

कब मिलेगा छुटकारा निगम 12 डेयरी संचालकों को सीलिंग का दे चुका नोटिस

कन्हैली डेयरी कांप्लेक्स में शिफ्टिंग करें डेयरी संचालक सुविधाओं के अभाव में संचालकों में भारी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नगर निगम और डेयरी संचालकों के बीच डेयरियों के स्थानांतरण को लेकर खींचतान तेज हो गई है। नगर निगम का कहना है कि शहर में चल रही डेयरियों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ और गोबर सीधे सीवर में बहा दिए जाते हैं, जिससे बार-बार सीवर चोक की समस्या खड़ी हो रही है। निगम ने डेयरी संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपनी डेयरियों को कन्हैली स्थित डेयरी कांप्लेक्स में शिफ्ट करें। वहीं, संचालकों का कहना है कि वहां न तो बुनियादी सुविधाएं हैं और न ही डेयरियों के संचालन योग्य व्यवस्था, इसलिए जब तक व्यवस्थाएं नहीं सुधरतीं, वे वहां नहीं जा सकते।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर के कई इलाकों में डेयरियों के कारण सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। गोबर और गंदा पानी गलियों में बहने से आसपास के लोगों को दुर्गंध और मच्छरों से परेशानी होती है। सीवर लाइनें बार-बार जाम हो जाती हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। निगम के अनुसार, पहले भी डेयरियों को शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन ज्यादातर संचालक टालमटोल कर रहे हैं दूसरी ओर डेयरी संचालकों का कहना है कि निगम केवल आदेश दे रहा है, परंतु कन्हैली डेयरी कांप्लेक्स में बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। संचालक राजेश कुमार ने बताया कि वहां तक जाने के लिए पक्की सड़क तक नहीं है। गलियां कच्ची हैं और बारिश के मौसम में पूरा क्षेत्र कीचड़ से भर जाता है। ऐसे में दूध की आपूर्ति और पशुओं की देखभाल करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

सुविधा पूरी मिलने पर ही होगा विचार

संचालकों का कहना है कि डेयरी कांप्लेक्स में न तो सीवर लाइन पूरी तरह से जुड़ी है, न ही पानी की नियमित आपूर्ति है। यहां तक कि बिजली की सुविधा भी स्थायी रूप से नहीं दी गई। ऐसे में वे कैसे वहां अपने पशु रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम पहले उस जगह को पूरी तरह विकसित करे, उसके बाद ही वे डेयरियां शिफ्ट करने को तैयार हैं।

250 डेयरियों के लिए निर्धारित है प्लाट

कन्हैली डेयरी कांप्लेक्स में लगभग 250 डेयरियों के लिए प्लॉट निर्धारित किए गए हैं, लेकिन फिलहाल वहां केवल कुछ ही डेयरियां कार्यरत हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने संचालकों को कई बार नोटिस जारी किए हैं और अब सख्त कार्रवाई की तैयारी चल रही है। नगर निगम का तर्क है कि यदि डेयरियां शहर से बाहर नहीं जाएंगी, तो स्वच्छता अभियान पर पानी फिर जाएगा।

स्थानीय लोग इन डेयरियों के कारण है परेशान

स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे डेयरियों के कारण परेशान हैं। सीवर ओवरफ्लो, गंदगी और बदबू ने जीना मुश्किल कर रखा है। वहीं, डेयरी मालिकों का कहना है कि वे भी निगम से सहयोग चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी जगह भेजा जा रहा है जहां मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। अब देखना यह होगा कि निगम प्रशासन सुविधाएं उपलब्ध कराकर संचालकों को मनाता है या फिर सख्त कार्रवाई कर उन्हें शिफ्ट करने पर मजबूर करता है। फिलहाल शहर की सफाई व्यवस्था और डेयरी संचालकों का भविष्य, दोनों ही इस विवाद के हल पर निर्भर करते हैं।

बहरीन में होगी एशियन यूथ कबड्डी चैम्पियनशिप

एमडीयू के हर्ष कुमार भारतीय अंडर-18 कबड्डी टीम में चयनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कबड्डी खिलाड़ी हर्ष कुमार ने पूरे जिले का नाम रोशन किया है। हर्ष का चयन भारतीय अंडर-18 यूथ कबड्डी टीम में हुआ है, जो तीसरी यूथ एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। यह प्रतियोगिता 22 से 31 अक्टूबर 2025 तक बहरीन में आयोजित की जाएगी। हर्ष इस समय एमडीयू के कबड्डी ग्राउंड में नियमित अभ्यास कर रहा है और विदेशी धरती पर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरने को तैयार है।

एमडीयू कबड्डी टीम के कोच प्रवीन राठी ने बताया कि हर्ष ने पहली बार अंडर-18 राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में हरियाणा की ओर से भाग लिया था, जिसमें हरियाणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसी प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं ने हर्ष को भारतीय टीम कैंप के लिए चुना था। कैंप में हर्ष के प्रदर्शन को देखते हुए उसे अंतिम टीम में शामिल किया गया। अब हर्ष बहरीन में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। हर्ष बेहद अनुशासित, मेहनती और समर्पित खिलाड़ी है। वह रोजाना सुबह-शाम ग्राउंड में अभ्यास करता है और हर दिन अपनी फिटनेस व तकनीक पर ध्यान देता है। हर्ष का चयन न केवल एमडीयू बल्कि पूरे हरियाणा के लिए गर्व का विषय है।

रोहतक। खिलाड़ी हर्ष कुमार।

कोच प्रवीन राठी ।

यह खिलाड़ी प्रो कब्डी लीग में भी जलवा दिखा चुके

सौरभ नांदल दिल्ली दबंग, अमन अंतिल तेलुगु टाइटंस, साहिल देसवाल जयपुर पिंक पैंथर्स, अंकित राणा पटना पाइरेट्स, रोहित नांदल गुजरात जायंट्स व मंगत सिंह बंगाल वॉरियर्स से खेल चुके है और प्रदेश का नाम रोशन कर चुके है।

परंपरा और विश्वास का लोकपर्व है अहोई अष्टमी

हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत, वीरता और अपनेपन के साथ-साथ अतीत से ही सांस्कृतिक सुगंध भी बसी है। इसीलिए हरियाणा के लोग न केवल कृषि और खेलों में अग्रणी है बल्कि अपने धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाने के लिए भी जाने जाते हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। लोग पारंपरिक लोक गीतों, नृत्यों और सादगी भरे रीति-रिवाज़ों से त्योहारों को जीवंत बना देते हैं।

यहाँ त्योहार केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि गाँवों में सामूहिक एकता, रिश्तों की मजबूती और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक हैं। इसके अलावा यह जानना रोचक होगा कि हरियाणा में हर त्योहार को मनाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कारण रहते हैं। फिर चाहे होली, दीवाली, गोवर्धन पूजा, बासोड़ा, शीतला अष्टमी, धुलेंडी, तीज, रक्षाबंधन, भाईदूज, करवा चौथ, नवरात्र, बसंत पंचमी हो या अहोई अष्टमी। गौरतलब है कि हरियाणवी संस्कृति में नारी जाति का विशेष सम्मान है। माँ, बहन और बेटी के रूप में नारी को शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। तीज, रक्षाबंधन, करवा चौथ जैसे अनेक पर्व स्त्रियों की श्रद्धा तथा विश्वास का प्रतीक हैं और उन्हीं में से एक है 'अहोई अष्टमी' अहोई अष्टमी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला त्योहार है जो दिवाली से लगभग 8 दिन पहले। सनातन पंचांग के अनुसार, यह तिथि करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद और दिवाली से सात-आठ दिन पहले आती है।

अहोई अष्टमी मुख्यतः उत्तर भारत में बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और बिहार में अत्यंत लोकप्रिय है, जहाँ माताएँ संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है। मध्य प्रदेश और गुजरात में भी उत्तर भारतीय परिवारों के बीच यह परंपरा प्रचलित है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में भी अहोई अष्टमी का व्रत किया जाता है। भारत के बाहर, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय भी इस पर्व को उतनी ही आस्था से मनाते हैं। हरियाणा के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत इस वर्ष की अहोई अष्टमी आज सोमवार 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मना रहा है।

इस दिन माताएँ व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करके अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। पावन भाव से व्रत करते हुए महिलाएं अपने घरों में बच्चों के लिए विशेष व्यंजन भी बनाती हैं। अहोई अष्टमी की सुबह महिलाएँ स्नान कर निर्जला व्रत आरंभ करती हैं और शाम को तारों के दर्शन के बाद ही व्रत खोलती हैं। माना जाता है कि अहोई माता की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अहोई अष्टमी के दिन "अहोई कथा" सुनने की भी परंपरा है। शाम के समय गाँव की महिलाएँ एकत्र होकर अहोई माता की कथा का वाचन करती हैं। इस सन्दर्भ में प्रचलित लोक कथा के अनुसार, एक बार एक स्त्री जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। अनजाने में उसके फावड़े से एक साही (या शेरनी के बच्चे) को चोट लग गई और वह मर गया। उस स्त्री को शाप मिला कि उसकी संतान जीवित नहीं रहेगी। दुःखी होकर जब उसने पश्चाताप किया, तो उसे बताया गया कि वह कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन अहोई माता की पूजा करे। स्त्री ने श्रद्धा से व्रत रखा और माता की कृपा से उसे संतान सुख प्राप्त हुआ। तभी से यह व्रत अहोई अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। कथा के बाद सात बार "अहोई माता की जय" बोलकर माताएँ अपने बच्चों के नाम लेती हैं और माता से उनकी रक्षा और लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं।

अहोई अष्टमी का पर्व बड़े श्रद्धा के साथ जनमानस को लोककला से जोड़ने का कार्य करता चला आ रहा है। हरियाणा के कई इलाकों में अहोई अष्टमी लोककला का भी सुंदर प्रदर्शन बन जाती है। इस दिन महिलाएँ अपने घरों में दीवार या कागज़ पर अहोई माता की आकृति बनाती हैं। यह चित्र गेरू, चावल के घोल या मिट्टी से पारंपरिक लोककला शैली में बनाया जाता है। चित्र में माता के साथ सात बिंदियाँ बनाई जाती हैं, जो सात संतान या सात पीढ़ियों का प्रतीक मानी जाती हैं। बाघ या साही का चित्र अहोई माता का वाहन दर्शाता है। महिलाएँ अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बनाती हैं, उसके आगे जकरी रखती हैं और चाँदी की "श्यो माता की माला" भी रखती हैं। घर में जितने बच्चे हों उतनी ही चांदी से बनी पत्तियाँ माला में डालकर इन पर पहनाई जाती हैं या यह माला विवाहित स्त्रियाँ संतान प्राप्ति की कामना से धारण करती हैं। मिट्टी की "जकरी" बनाई जाती है जिसे पूजा के बाद जलाशय में विसर्जित किया जाता है। हालांकि मिट्टी की "जकरी" का स्थान आजकल लगभग सब जगह धातु के बने छोटे कलश ने ले लिया है।

अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बने चित्र के आगे दो "जकरियाँ" रखी जाती हैं, एक में पानी और दूसरी में अनाज या भोजन सामग्री। पूजा के समय इन जकरियों में दीपक जलाकर माता की आराधना की जाती है, प्रसाद चढ़ाया जाता है और कथा सुनने के बाद सभी महिलाएँ एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। पूजा के बाद इन्हें अहोई माता के आगे रखा जाता है और भाई दूज के दिन "पानी वाली जकरी" का जल घर में छिड़का जाता है।

हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।"

ऐसा माना जाता है कि इससे घर का वातावरण पवित्र रहता है और बच्चों की सुरक्षा होती है। इस परंपरा में हरियाणा के लोगों की आस्था और घरेलू संस्कारों की गहराई झलकती है। हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।" इससे परंपरागत ढंग से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना का विकास भी होता है।

जन सामान्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के विभिन्न जिलों में अहोई अष्टमी की अपनी अलग-अलग लोक परंपराएँ हैं। रोहतक और झज्जर क्षेत्र में महिलाएँ अहोई माता का चित्र चाँदी के फ्रेम में रखकर पूजा करती हैं और "सात अनाज" जैसे गेहूँ, चावल, मूँग, सरसों, तिल, दालें और जौ का दान देती हैं। भिवानी और सिरसा में बच्चों के हाथ में सुई-धागा बंधवाने की परंपरा है, जो सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। वहाँ पूजा के समय हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है और बाद में बच्चों को खिलाया जाता है। पानीपत, करनाल और कुरुक्षेत्र की महिलाएँ शाम को मंदिरों में एकत्र होकर सामूहिक रूप से आरती गाती हैं और इसे दीवाली की तैयारियों की शुरुआत मानती हैं। रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अब प्रिंटेड या डिजिटल चित्रों से पूजा की जाती है, लेकिन भाव वही रहता है बच्चों की सुरक्षा और परिवार की समृद्धि की कामना।

इस अवसर पर पूजा के बाद महिलाएँ गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या अनाज दान करती हैं और बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लेती हैं। कई जगहों पर महिलाएँ अपने आँगन में मिट्टी के बने छोटे-छोटे दीयों की कतार लगाती हैं जिन्हें "अहोई दीए" कहा जाता है। तारे निकलने के बाद माताएँ बच्चों के नाम लेकर तारों को अर्घ्य देती हैं। इस तरह अहोई अष्टमी हरियाणा में न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि परिवारिक एकता, स्त्री के त्याग और मातृत्व की भावनाओं का उत्सव भी है। यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही उस संस्कृति का प्रमाण है, जिसमें स्त्री अपने परिवार के सुख और संतानों के कल्याण के लिए तप और भक्ति दोनों को समान भाव से निभाती है। अहोई माता की पूजा केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, आस्था और मातृत्व की अखंड परंपरा है जो हरियाणा की मिट्टी में आज भी उसी भाव से जीवित है।

संस्कृति | रामबीर सिंह 'राम'

लोकगीतों में 'कातक'

राम-राम! हरियाणवियों अथवा भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों के लिए दिवाली का पावन पर्व का उल्लास, उत्साह और विश्वास उनके जीवन का अंग है। इसलिए दिवाली मनाने के बारे में कुछ कहना या लिखना बेमानी-सा प्रतीत होता है। इस पर भी उन हरियाणा के लोगों की बात करें जो अपने दिन की शुरुआत से लेकर किसी से अभिवादन तक 'राम' के अतिरिक्त किसी और शब्द को स्थान न देते हों तो थोड़ा और हैरानी की बात होगी। दरअसल, भारत में दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पांच दिन का उत्सव अर्थात 'पंचोत्सव' है, जो कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक मनाया जाता है।

ऐसे में जब दिवाली को लेकर हम हरियाणा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि देखते हैं तो वह आह्लादित कर देती है। जहाँ पूरा कार्तिक माह ही एक उत्सव प्रतीत होता है और इसे पवित्र और पुण्यदायी महीना माना जाता है। हरियाणा में कार्तिक के माह के लोकगीत प्रचलन में हैं। इन लोकगीतों की जड़ें उतनी ही गहरी हैं, जितनी उसकी कृषि परंपरा। जब कार्तिक का महीना आता है, तो गाँवों की सुबह सरोवरों की कलकल ध्वनि और लोकनारी के स्वर से गूंज उठती हैं। महिलाएं भोर में सूर्योदय से पूर्व सरोवरों में 'कातक न्हाण' यानि स्नान के लिए जाती हैं। 'कातक न्हाण' के लिए महिलाएँ प्रातःकाल मिट्टी के दीप जलाकर, हाथों में पूजन सामग्री लिए, समूहों में एकत्र होती हैं। उनके कंठ से फूटते हैं वे मधुर हरियाणवी गीत जो पीढ़ियों से विरासत बनकर चले आ रहे हैं। एक ऐसा प्रसिद्ध गीत देखिए .....

राम अर लछमण दशरथ के बेटे
दोन्यूं बणखंड जां,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,
एक बण चाले दो बण चाले
तीजे में लग आई प्यास,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,

इसी प्रकार एक और गीत में तुलसी पूजा पर देखें..

....तुलसां माता तैं सुख दाता
बिडला सीजूं तेरा
तैं कर निस्तारा मेरा
किरसन जी का कांधा दइओ
पीताम्बर की धोती दइओ
बैकुंठ का बासा दइओ
हो ज्या निस्तारा मेरा
बिडला सीजूं तेरा

ऐसा ही एक और लोकगीत देखें ....

सत की साथण पाणी नै चाली, या तुलसां गैल होली हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम
सत की साथण न्यू उठ बोली या तुलसां ओड कुवारी हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम

कार्तिक स्नान पर ही एक गीत अद्भुत है जो आम जन-जीवन की स्थितियां परिभाषित करता है ....

आओ राधा नहाण चलां, मेरे राम
म्हारा तो नहीं ए चलान,दूधां मैं रम रही मेरे राम।
दूधां का कैसा हे गमान,आवै बिलाई पी जावै हरे राम।

कातक के महीने के कुछ लोकगीत यहाँ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए हैं। ये केवल बानगी हैं। अन्यथा हरियाणवी लोकगीतों की सरिता निरंतर प्रवाहमयी है, जिसमें श्रद्धा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की सादगी और ग्रामीण स्त्री की भावनाओं का संगीत भी बहता है। ये गीत न केवल स्नान की विधि का अंग हैं, बल्कि लोकभक्ति, आस्था और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं, जिसमें कार्तिक न्हाण के गीत भी इसी भावधारा के प्रतीक हैं। इन गीतों में रामभक्ति और कृष्णभक्ति का माधुर्य, नदियों का पवित्र स्पर्श और खेत-खलिहान की गंध घुली है। जो हमारी गाँव की आत्मा, नारी की श्रद्धा और संस्कृति की निरंतरता के सजीव प्रमाण हैं।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकाश | जब दिवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं

दीया : म्हारी सनातन संस्कृति की अमर ज्योत

परंपरा | जयदेव राठी भराण

माट्टी के उस छोट्टे से दीये म्ह जो ज्योत जलैं सै, वा सिर्फ उजाला कोनी, बल्कि म्हारी सनातन संस्कृति की आत्मा सै। जब कोए दीया जलैं सै, तो वो सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदा, बल्कि अपणे भित्तर के अज्ञान रूपी अन्धेरे नै भी मिटाण का संकल्प लेवै सै। यो साधारण सा दिखण आल्ला माट्टी का दीया म्हारी आस्था, बिश्वास अर आध्यात्मिकता का निशान सै।

माट्टी तै बण्या, माट्टी म्ह मिलण आल्ला

दीये की सबतै बड्डी खासियत यो सै के वो माट्टी तै बणै सै - उस्से पंचतत्व तै जिसतै यो दुनिया अर हम सारे बणे सां। कुम्हार अपणे हाथां तै जब माट्टी नै आकार देवै सै, तो वो सिर्फ एक बर्तन कोनी बणावै, बल्कि पूजा का एक पवित्तर साधन बणावै सै। यो दीया हाम्नै याद दिलावै सै के हम सारे माट्टी के बणे सां अर एक दिन माट्टी म्ह ए मिल जावांगे।

यो साधारणता म्ह असाधारणता का संदेश देवै सै। दीये की बणावट जितनी सीधी सै, उतना ए गहरा सै इसका दर्शन। चार मुंहा दीया हो या एक मुंहा, हरेक दीये म्ह तेल या घी भरया जावै सै अर बाती राक्खी जावै सै। जब यो दीया जलैं सै, तो इसकी लौ ऊपर कान्नी उठै सै - यो हाम्नै सिखावै सै के जिन्दगी म्ह हमेशा ऊपर उठण का, उन्नति का जतन करणा चाहिए।

आत्मा की लौ, ध्यात्मिक महत्त्व

सनातन धरम मै दीया आत्मा का प्रतीक होवै सै। जैसे दीया तेल, घी और बाती तै जलैं सै, उसे तरहैं आत्मा शरीर और करम तै चमकै सै। ध्यान लगावण मै दीया की लौ ठहरै सै और मन भी पूजा, यज्ञ और ध्यान मै दीया जरूरी सै क्योंकि यो अंदर की ज्योत नै जगावै सै ।सनातन परम्परा म्ह दीया का आध्यात्मिक महत्त्व घणा गहरा सै। दीये की ज्योत नै ब्रह्म का निशान मान्या जावै सै - वो परम उजाला जो सारे अन्धेरयां नै दूर करै सै। जब हम किसे देवता कै आठगै दीया जलांवां सां, तो यो सिर्फ एक रस्म कोनी होवै, बल्कि यो म्हारी प्रार्थना होवै सै के 'हे प्रभु, जिसा यो दीया अन्धेरे नै दूर कर रह्या सै, उस्से तरहां ए मेरी जिन्दगी तै अज्ञान का अन्धेरा दूर करो'। दीये के विभिन्न अंग हामनै जिन्दगी की सीख देवैं सै। दीये का आधार म्हारी नींव सै - म्हारे संस्कार, म्हारी माट्टी। तेल या घी म्हारे करमां का निशान सै - बढ़िया सोच करम ए जिन्दगी रूपी दीये नै जल्लाएं राक्खैं सै। बाती म्हारा मन सै - जै मन साफ सै तो ज्योत स्थिर अर चमकदार रहवैगी। अर वा लौ वा म्हारी आत्मा सै, जो सदा ऊपर, परमात्मा की ओड़ उठण का जतन करै सै।

प्रकृति और परम्परा, समाज की बात

आज जैब बिजली का झाल्लर और प्लास्टिक का सजावट चालै सै, तो माटी का दीया जलाणा एक तरहैं तैं पर्यावरण बचावै और आत्मनिर्भरता का फैसला बन गया सै। दीया ना केवल प्रकृति नै बचावणै की जिम्मेदारी दिखावै सै, बल्कि गांम के कारीगरों के घर मै भी उजाला करै सै। हर एक रोजगार सै एक सम्मान सै। माटी का दीया गांम के कुम्हार की मेहनत का प्रतीक सै, जो शहर मै भी अपनी जगह बना ले सै। दीया एकता, अपनापन और लोक कला की पहचान सै।

दीया म्हारी सभ्यता का वाहक, आस्था का निशान

दीया सिर्फ माटी का बण्या एक छोटा पात्र कोनी सै, यो म्हारी सभ्यता का वाहक सै, म्हारी आस्था का निशान सै। म्हारी जिन्दगी दर्शन का मूर्त सै, जब हम एक दीया जलावां सां तो हम अपणे भित्तर भी एक दीया जलावां सां - ज्ञान का, प्रेम का और करुणा का। सनातन संस्कृति म्ह दीये का स्थान अमर सै।

यूगों तै यो म्हारे घरां म्ह, मन्दरां म्ह,
तीज - त्यौहारां म्ह उजाला फैला रह सै।
तमसो मा ज्योर्तिमय ॥

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

जब दीवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं। वे कहवैं सैं के जिन्दगी म्ह कितनी भी मुश्किलां आवैं, हम मिलकै उनने दूर कर सकां सां। हरेक छोट्टा जतन महत्त्वपूर्ण सै, जिसा हरेक छोट्टा दीया अन्धेरे नै कम करण म्ह योगदान देवै सै। आण आली पीढ़ी जब दीया जलावै गी तो वे ना सिर्फ एक परम्परा का पालन करै गी बल्कि उस शाश्वत सच नै भी जिन्दा राख्गी उजाला ए जिन्दगी सै उजाला ए सच सै।

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

आओ हम सारे संकल्प लेवां के अपणी जिंदगी नै एक दीये की तरह बणावां जो खुद जलैं अर दूसरां नै भी उजाला दे जो विनम्रता तै माटी पै टिक्का हो सै पर जिसकी ज्योत आसमान की ओड उठै सै । जो अन्धेरे तै लडै अर सदा उजाले की जीत का संदेश दें।

दीपों ज्योति परब्रह्म, दीपो ज्योति जनार्दन : ।
दीपो हरतु मे पाप दीप ज्योतिनरमोस्तुते ॥

योए सै दीये की महिमा, योए सै उसका संदेश, जब ताहीं या दुनिया सै, दीये की ज्योत म्हारी जिंदगी नै उजाली करदी रहवै गी ।

सांस्कृतिक धरोहर वृद्ध केदार तीर्थ और ग्यारह रुद्री मंदिर

आस्था | अंकुर शर्मा

सरस्वती की पवित्र धारा से पोषित कैथल एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसे वेद, पुराण, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना स्थली होने का गौरव प्राप्त है। विद्वानों का मानना है कि जहां सरस्वती नदी के तट पर वेदों की ऋचाओं का सृजन हुआ; जहां कपिष्ठल गोत्रीय लोगों ने ही कपिष्ठल-कठ संहिता नामक ग्रन्थ की रचना की; जहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ वराह मिहिर ने भी अपनी शिक्षा यहां प्राप्त कर बृहत्सहिता जैसे श्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की थी; वह कपिस्थल ही है। महाभारत, वामन पुराण, पाणिनी की अष्ठाध्यायी में कपिस्थल का उल्लेख मिलता है। चौथी शताब्दी ई.पू. के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनान के राजदूत रहे मैगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में इसे कबीस्थलो लिखा है। प्रसिद्ध विदेशी यात्री अल्बरूनी ने अपनी पुस्तक किताब-उल-हिन्द में कवितात नाम से इस का उल्लेख किया है। एक किवदन्ती के अनुसार यहां कपि अर्थात बन्दर अधिक पाए जाने के कारण इसे कपिस्थल कहा जाता था। यहां अंजनी माई का टीला है जिसे हनुमान जी का जन्म स्थान माना जाता है। इस प्रकार कपिस्थल, कपिष्ठल, कवितात ही अपभ्रंश होता हुआ आज का कैथल बना है।

कपिस्थल की पवित्रता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख वामन पुराण और महाभारत में विस्तार से किया गया है। ऋग्वेद के तृतीय मण्डल 3/23/4 में सरस्वती की उपनदी आपगा नदी की स्थिति का उल्लेख किया गया है। जबकि वामन पुराण तथा महाभारत के वन पर्व में कैथल के पश्चिम में आपगा और मानुष तीर्थ स्थान है। जबकि ऋग्वेद प्रथम मंडल(1/23/4) में भी अपाय और मानुष का उल्लेख आता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र 48 कोस में प्राप्त 134 तीर्थ स्थानों में से 50 तीर्थ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कैथल की परिधि में आते हैं। जिनमें पवनहृद तीर्थ, फल्गु तीर्थ, पवनेश्वर तीर्थ, कपिल मुनि तीर्थ, पुण्डरीक तीर्थ, कोटिकूट तीर्थ, वेदवती तीर्थ, वृद्ध केदार तीर्थ,

ग्यारह रुद्री तीर्थ, हव्य तीर्थ, रसमंगल तीर्थ, इक्षुमति तीर्थ, अरंतुक यक्ष, लवकुश तीर्थ, वामन तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन पवित्र तीर्थों में से दो तीर्थ वृद्ध केदार और ग्यारह रुद्री कैथल शहर के मध्य स्थित हैं। जिनका बहुत महत्त्व माना जाता है।

कैथल से उत्तर पूर्व में स्थित वृद्ध केदार तीर्थ का बहुत प्रसिद्ध है। वामन पुराण 36वें अध्याय में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति इस स्थान पर तर्पण करके भगवान शिव को प्रणाम करने के बाद तीन चल्लू पानी पिता है, वह केदार तीर्थ पर जाने का फल प्राप्त कर लेता है -

कपिलस्थेति विख्यातं सर्वपातकनाशनम।
यस्मिन स्थितः स्वयं देवो वृद्धकेदारसंज्ञितः । (वामन पुराण, 36/14)

इसी प्रकार इस सन्दर्भ में महाभारत के वन पर्व में वर्णित है:

कपिष्ठलस्य केदारं समासाद्य सुदुर्लभम ।
अन्तर्धानमवाप्नोति तपसा दग्धकिल्बिषम ॥ (महाभारत, वन पर्व 83/74)

यहां एक शिव मन्दिर बना हुआ है जो अष्टकोणीय है। यहां बने सरोवर की बुजियां भी अष्टकोणीय आकार लिए हैं। वामन पुराण में ऐसा भी कहा गया है कि कपिस्थल नामक तीर्थ में वृद्ध केदार नामक भगवान स्वयं विराजमान हैं। इसी प्रकार कैथल के ही पश्चिम में दूसरा महाभारत काल से एक प्रसिद्ध पुण्यदायी तीर्थ स्थान एवं मंदिर है ग्यारह रूद्री । इस मन्दिर में ग्यारह रूद्रों की स्थापना की गई है। जिनके विषय में महाभारत में वर्णित उल्लेख के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र जो महान ऋषि थे मृगव्याध, सर्प, निऋति, विनाकी, अहिवुध, अजैकपाद दहन, ईश्वर, कपाली, स्थाणु और भव। महाभारत के आदिपर्व में लिखा है :-

एकादशसुताः स्थाणोः ख्याताः परमतेजसः।
मृगव्याधश्चसर्पश्च निऋतिश्चमहायशाः।
अजैकपादहिर्बुध्न्यः पिनाकी च परंतप।
दहनोथेश्वरश्चैव कपाली च महाद्युतिः।
स्थाणुर्मगश्च भगवान रूद्रा एकादशस्मृताः। (महाभारत, आदि पर्व 66/1-3)

ये एकादश ही रूद्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। इस मन्दिर में जलहरी में ग्यारह रूद्र स्थापित किए गए हैं। मन्दिर के दक्षिण में सर्वदेव नामक तीर्थ है। जिसे सकलसर भी कहा गया है।

कैथल के तीर्थों और मंदिरों के बारे में इस संक्षिप्त आलेख में तो यही कहा जा सकता कि कैथल के मंदिरों और तीर्थस्थलों का महत्त्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यहाँ का प्रत्येक मंदिर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर हो या श्री राधा-कृष्ण का शांतिमय धाम, जनमानस की श्रद्धा और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इन तीर्थों के दर्शन से न केवल धार्मिक संतोष मिलता है, बल्कि यह नगर के गौरवशाली अतीत की झलक भी प्रदान करते हैं। कैथल की भूमि स्वयं महाभारतकालीन स्मृतियों से ओतप्रोत है, जहाँ धर्म, वीरता और भक्ति एक साथ प्रवाहित होते हैं। यहाँ के मंदिरों में गूंजती आरती, साधु-संतों के प्रवचन और तीर्थयात्रियों का आगमन नगर को निरंतर पावन ऊर्जा से भर देता है। यही कारण है कि कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

खबर संक्षेप

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की टीम ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। थाना सदर निरीक्षक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि हेड कांस्टेबल पवन के नेतृत्व में पुलिस चौकी घिलौड की टीम गश्त में मौजूद थी। काहनी जसिया चौक एनएच-709 के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान सुमित निवासी पुठर जिला सोनीपत के रुप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर युवक के पास से एक देसी पिस्तौल व 7 राउंड बरामद हुए।

कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर बैठक

रोहतक। हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच की राज्य परिषद की बैठक रविवार को बीएंडआर निर्माण सदन, अधीक्षक अभियंता कार्यालय प्रांगण रोहतक में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश चेयरमैन सत्यपाल वर्मा ने की, जबकि संचालन प्रदेश महासचिव इंद्र सिंह सिंहाग ने किया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कुलवंत शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार इंद्रजीत सहित प्रदेशभर के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

गुरु रामदास के प्रकाश पर्व हुआ कीर्तन समागम

रोहतक। डीएलएफ कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा बाबा सोमा शाह में हरमंदिर साहिब के संस्थापक तथा चौथे सिख गुरु श्रीरामदास साहिब के प्रकाश पर्व को समर्पित कीर्तन समागम किया। हेड ग्रंथी भाई गुरजीत सिंह ने बताया कि दूर-दूर से पहुंची संगत ने दरबार साहिब में माथा टेक कर सुख-शांति की अरदास की। रंग बिरंगी लाइटों व विभिन्न प्रकार के फूलों से सजे दरबार हाल में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगी रही। हजूरी रागी बीबा मनजोत कौर ने अपनी मधुर वाणी में धन धन रामदास गुर जिन सिरिया तीने सवारिया और देखा दर्शन तेरा राम शब्द गाकर संगत को निहाल किया।

डा. अग्रवाल लाइफटाइम अचीवमेंट मास्टर टीचर अवार्ड से सम्मानित

- डॉ. एचके अग्रवाल को नेफ्रोलॉजी और आंतरिक चिकित्सा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक (यूएचएसआर) के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल को रविवार को दिल्ली में आयोजित रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया की 20वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस में सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और 35 वर्षों से अधिक के विशिष्ट करियर के लिए प्रदान किया गया।

डॉ. अग्रवाल ने पीजीआईएमएस में कई प्रमुख शैक्षणिक और प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है। वह आठ वर्षों से अधिक समय तक पं. बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार रहे, जहां उन्होंने कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

रोहतक। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल आवार्ड के साथ।

क्लीनिकल शिक्षा और विभागीय विकास में रहा अहम योगदान

इससे पहले वे पीजीआईएमएस, रोहतक में मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में दो वर्षों तक कार्यरत रहे, जहां उन्होंने क्लीनिकल शिक्षा और विभागीय विकास में अहम योगदान दिया। अपने पूरे करियर में डॉ. अग्रवाल ने शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई है और क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें नेफ्रोलॉजी और आंतरिक चिकित्सा (इंटरनल मेडिसिन) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त है। वर्ष 2002 में उन्हें इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा कंटीन्युअस एम्बुलेटरी पेरिटोनियल डायलिसिस (सीएपीडी) में प्रतिष्ठित फेलोशिप प्रदान की गई। इसके अलावा वे रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स (एडिनबर्ग) और नेफ्रोलॉजी (लंदन) के फेलो भी हैं, जो उनके नैदानिक और शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाता है। साथ ही उन्हें इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा /"स्कॉलर डिजिग्नेट/" की उपाधि भी प्रदान की गई है। डॉ. अग्रवाल ने अपने वैज्ञानिक शोध कार्य जर्मनी, जापान, सिंगापुर, ब्राजील, इटली, तुर्की और कनाडा सहित कई देशों में प्रस्तुत किए हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिल्ली में पुरकार से नवाजा

उनके अनुकरणीय योगदानों के लिए उन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। 2025 में, उन्हें एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट मास्टर टीचर अवार्ड से नवाजा गया, जो चिकित्सा शिक्षा और मार्गदर्शन में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देता है। उसी वर्ष उन्हें इनोवेटिव फिजिशियन फोरम द्वारा भी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया, जो लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला द्वारा उन्हें सौंपा गया। उन्हें भारतीय क्लीनिकल मेडिसिन संघ का 2025-26 का अध्यक्ष भी चुना गया है, जो उनके नेतृत्व कौशल को दर्शाता है। पेशेवर जीवन से इतर, डॉ. अग्रवाल सामाजिक सेवा में भी सक्रिय हैं। उन्हें अग्रोहा विकास ट्रस्ट, हरियाणा द्वारा मेधावी चिकित्सक पुरस्कार और समाज सुधार सभा, हरियाणा द्वारा श्रेष्ठ चिकित्सक सम्मान प्राप्त हुआ है। वे रोहतक स्थित अर्पण संस्थान जो मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की देखभाल और विकास के लिए कार्य करता है के मानद सलाहकार के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पीजीआईएमएस में 9वां वार्षिक पीसीसीएम सीएमई संपन्न

क्रिटिकल केयर मास्टर क्लास में विशेषज्ञों ने साझा किए नवीन उपचार के दृष्टिकोण

- दूसरे दिन क्रिटिकल केयर मास्टर क्लास का आयोजन
- देशभर से आए चिकित्सा विशेषज्ञों अनुभव साझा किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

डॉ. श्रीनिवासन ने क्रिटिकली बीमार मरीजों में बेसिक हीमोडायनैमिक फिजियोलॉजी की व्याख्या की। डॉ. खालिद ने सेप्टिक शॉक में चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला। चिकित्सीय प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया गया

पं भगवत दयाल शर्मा पीजीआईएमएस के पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय 9वां वार्षिक पीसीसीएम सीएमई रविवार को संपन्न हो गया। सम्मेलन के दूसरे दिन क्रिटिकल केयर मास्टर क्लास का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से आए चिकित्सा विशेषज्ञों ने गंभीर रूप से बीमार मरीजों के उपचार से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए।

पीसीसीएम सीएमई सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष प्रो. ध्रुव चौधरी ने बताया कि यह वार्षिक पीसीसीएम सीएमई और मास्टर क्लास न केवल ज्ञानवर्धन का मंच है, बल्कि यह क्रिटिकल केयर चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

प्रो. ध्रुव चौधरी ने बताया कि आज मास्टर क्लास में मॉनिटरिंग, सेप्सिस एंड सेप्टिक शॉक्स, हर्ट (हृदय सम्बन्धी), जीआई (गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल) क्रिटिकल केयर जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन चिकित्सकों को नवीनतम अनुसंधान और उपचार पद्धतियों से जोड़ते हैं।

रोहतक। कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सक वआयोजक। *फोटो : हरिभूमि*

मास्टर क्लास

जिसमें प्रतिभाओं और विशेषज्ञों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। डिपार्टमेंट ऑफ पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन द्वारा आयोजित यह 9वां वार्षिक पीसीसीएम सीएमई तथा मास्टर क्लास ने क्रिटिकल केयर चिकित्सीय प्रबंधन में चिकित्सीय दीप प्रज्वलित कर आलोकित किया। दूसरे दिन क्रिटिकल केयर मास्टर क्लास का आयोजन किया गया।

खास बातें

- मास्टर क्लास में चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया
- चिकित्सीय प्रबंधन बताया

कौशल के अपडेटिंग बताई

कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. एसके सिंघल ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि क्रिटिकल केयर चिकित्सा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां समय पर उचित हस्तक्षेप मरीज की जान बचा सकता है। उन्होंने चिकित्सा कौशल के अपडेटिंग की आवश्यकता पर बल दिया। महाराष्ट्र से आए वरिष्ठ क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. कपिल बोरबाके ने सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के प्रभावी प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

गंभीर रोगों के आईसीयू प्रबंधन पर चर्चा की

पीसीसीएम सीएमई के आयोजन सचिव डॉ. पवन सिंह और संयुक्त सचिव डॉ. अमन आहूजा ने बताया कि मास्टर क्लास में हार्ट फेलियर, एक्यूट लिवर फेलियर, एक्यूट पैंक्रिएटाइटिस, एरिडमिया, डायरिया, सुप्रावेंट्रिकुलर टैकिकार्डिया जैसे गंभीर रोगों के आईसीयू प्रबंधन पर भी चर्चा की गई। इस मास्टर क्लास में चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता डॉ. संदीप गोयल, डॉ. मंजूनाथ, डॉ. तराना गुप्ता, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. प्रीति नारा आदि ने की। आईसीयू में हार्ट फैलियर मैनेजमेंट, एक्यूट लीवर फैलियर मैनेजमेंट, एक्यूट पैन क्रिएटिटिस, एरिडमिया, डायरिया, सुप्रावेंटिकल, टेकिकार्डिया, आदि के चिकित्सीय प्रबंधन बारे मास्टर क्लास में विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया।

शानदार इवेंटस के साथ तनिष्क मृगांका कलेक्शन लॉन्च

रोहतक। तनिष्क द्वारा आयोजित "मृगांका कलेक्शन लॉन्च एवं ब्राइडल एलेगेंस इवेंट" एक अत्यंत भव्य और यादगार आयोजन के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य अतिथियों, ग्राहकों एवं फैशन प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस आयोजन की विशेष शोभा बनीं मुंबई से आईं प्रसिद्ध फैशन स्टाइलिस्ट बंडिता पात्रो, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उन्होंने ब्राइडल स्टाइलिंग तथा आधुनिक फैशन और ज्वेलरी के नवीनतम रुझानों पर एक प्रेरणादायक सत्र प्रस्तुत किया, जिसे सभी उपस्थित लोगों ने अत्यंत रुचि और उत्साह के साथ सुना। पात्रो ने बताया कि आज की आधुनिक दुल्हन परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम चाहती है, और मृगांका कलेक्शन इस सोच का शानदार उदाहरण है। उन्होंने तनिष्क की नई कलेक्शन की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक आभूषण में बारीक कारीगरी, आकर्षक डिजाइन और उत्कृष्ट गुणवत्ता का अद्भुत मेल है।

रोहतक। विजेता टीम को ट्राफी प्रदान करते मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. रश्मि लोहचब व खेल निदेशक एमडीयू डॉ. शकुंतला बेनीवाल। फोटो : हरिभूमि

एमकेजेके कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट में बना विजेता

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डॉ. मंगल सेन मल्टीपर्पज जिम्नेजियम हॉल में आयोजित दो दिवसीय महिला इंटर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट में महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय की टीम विजेता बनी। खेल निदेशक एमडीयू डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने बताया कि दूसरे स्थान पर टीका राम पीजी कॉलेज, सोनीपत की टीम रही तथा वैश्य महिला महाविद्यालय, रोहतक की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आईपीएस सुसाइड मामले में राजनीति न करे सरकार : मंजीत कन्हेली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

इनेलो के प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली ने एडीजीपी वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले को लेकर चेताया कि सरकार मामले में राजनीति ना करे और सिर्फ जाति नहीं कसूर देखकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कारवाई करे।

साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की और कहा कि इनेलो पार्टी एडीजीपी के परिवार के साथ खड़ी है और जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक उनका संघर्ष भी जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से इस मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच करने की मांग की। इनेलो के प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली रविवार को गांव भाली में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कबड़ी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से परिचय भी किया और खेलों के खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हुए 31000 हजार रुपए इनाम भी दिया।

पत्रकार वार्ता में बोले

पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला की बढ़ती लोकप्रियता के चलते भाजपा व कांग्रेस घबरा गई है और इसी लिए इनेलो के खिलाफ तरह तरह के षड़यंत्र रचने लगी है। वर्तमान सरकार से अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी, किसान, मजदूर, युवा हर वर्ग पूरी तरह से परेशान हो चुका है।

रूस में फंसे तैमूरपुर युवक को स्वदेश लौटाने की गुहार

रोहतक। जिले के कलानौर विधानसभा क्षेत्र के गांव तैमूरपुर की सरोज पत्नी बक्शी राम ने अपने बेटे संदीप कुमार (आयु 29 वर्ष) को रूस से सुरक्षित भारत वापस बुलाने के लिए भाजपा नेता डॉ अशोक कुमार रंगा के साथ राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा से गुहार लगाई है। मां सरोज ने बताया कि उनका बेटा बीते वर्ष 23 सितंबर 2024 को स्टडी वीजा पर रूस पढ़ाई करने गया था। अब परिजनों को जानकारी मिली है कि उसे वहां पढ़ाई की जगह अन्य कोड के तहत रूस की सेना में भर्ती दिखा दिया गया है। परिजनों का आरोप है कि संदीप को धोखे से भर्ती दिखाकर रूस-यूक्रेन बॉर्डर पर भेज दिया गया है। न तो उसने कभी किसी भर्ती के लिए आवेदन किया और न ही उसकी कोई सहमति ली गई। मां सरोज ने बताया कि बेटे की वीजा अवधि समाप्त हो चुकी है, फिर भी उसे घर लौटने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि बेटा फोन पर बताता है कि वह बेहद असुरक्षित स्थिति में है और भारत लौटना चाहता है।

रोहतक। रूस में फंसे तैमूरपुर युवक को स्वदेश लौटाने करते हुए।

मॉडल स्कूल में दिवाली मेले का आयोजन

- छठ पर्व सेवा समिति मंडल ने संजय बठला को-- कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का चेयरमैन बनने पर दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अंबेडकर चौक स्थित मॉडल स्कूल में धूमधाम और उत्साह के साथ दिवाली मेले का आयोजन किया गया । मेले का शुभारंभ मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एवम् उपायुक्त सचिन गुप्ता और उपाध्यक्ष रामअवतार गुप्ता द्वारा किया गया । उन्होंने बहुत ही रुचि लेकर कलात्मक प्रदर्शनी को देखा और विभिन्न खेलों का आनंद लिया । इस अवसर पर विद्यार्थियों और अध्यापकों द्वारा विभिन्न प्रकार के खेल आयोजित किए गए । विद्यालय परिसर में विद्यार्थी अभिभावकों के साथ पहुंचे तथा विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों तथा खेलों का आनंद लिया। इसके अलावा सांस्कृतिक टीम सभी खेलों के बारे में दर्शकों को बताने के लिए डफली की थाप पर प्रदर्शन करते हुए दिखाई दी तथा मेहमानों का संगीतमय स्वागत किया । 'गो ग्रीन ' के माध्यम से पौधों को मित्र बनाने का संदेश भी दिया गया ।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रबंधन समिति सदस्य ईश्वर सिंघल, बचन राम अरोड़ा, पवन अहूजा, रामनिवास हुड्डा, हिमांशु ग्रोवर, समाज सेवी राजेश जैन , मॉडल स्कूल की उपप्रधानाचार्या आशिता मांबरी, मॉडल स्कूल कलानौर के इंचार्ज प्रवीण खुराना, सांपला की इंचार्ज नोमिता बतरा, महम के इंचार्ज डॉ. हिमांशु शर्मा उपस्थित रहे । एसडीएम आशीष कुमार विशेष अतिथि रहे तथा उन्होंने लक्की ड्रा निकाले।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते मुख्य अतिथि एलपीएस बौसार्ड के एमडी राजेश जैन ,डॉ. रवि गुगनानी,अंशुल पठानिया व उद्योगपति प्रदीप जैन ।

रोटरी क्लब ने मनाया दीप महोत्सव

रोहतक। रोटरी क्लब ऑफ रोहतक सफायर द्वारा आयोजित गोहाना अड्डा पर स्थित दा रॉयल वैलवेट होटल में दीपावली के शुभ अवसर पर दीप महोत्सव क्लब के सदस्यों द्वारा बड़े हर्ष उल्लास से मनायागया। सभी ने दीपावली के अवसर पर देसी घी के दिये जलाये। जिसमें शहर के गणमान्य व्यक्ति व क्लब के सभी सदस्य परिवार सहित भाग लिया। सभी समारोह में आने वाले अतिथियों व सदस्यों का केसर की टीका लगाकर स्वागत किया गया और पुरुष एक ही ड्रैस में डार्क कलर का सूट व महिलाएं ट्रडिशनल ड्रैस डाले हुए थे और एक अलग ही माहौन बना हुआ था। सभी ने दीप महोत्सव का आनंद लिया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया समारोह के मुख्य अतिथि एलपीएस बौसार्ड के एमडी समाज सेवी उद्योगपति रोटेरियन राजेश जैन व संध्या जैन, समारोह अध्यक्ष डिस्ट्रिक गवर्नर रोटेरियन डॉ. रवि गुगनानी व मोनिकागुगनानी, अति वशिष्ट अतिथि पठानिया स्कूल के डायरेक्टर रोटेरियन अंशुल पठानिया, उद्योगपति प्रदीप जैन, उद्योगपति रोटेरियल विकास बंसल, एसिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन विनोद जैन, क्लब के प्रधान रोटेरियन विजय तायल, सचिव रोटेरियन नितिन तायल, कोषाध्यक्ष रोटेरियन विकास कंसल, एसिटैंट गर्वनर रोटेरियन अजित पाल सिंह, इवेंट चेयरमैन रोटेरियन विनय गोयल, चार्टर प्रेजिडेंट रोटेरियन डा. चन्द्र गर्ग, क्लब टैनर रोटेरियन सीए सुशील जैन आदि मौजूद रहे।

संत रामपाल महाराज की संस्था आगे आई

महम क्षेत्र के गांवों से बरसाती पानी निकालने में विफल हुआ प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

महम क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बरसाती पानी निकासी में प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन विफल साबित हुआ है। हालांकि अधिकारियों ने पानी निकालने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन संसाधनों की कमी के चलते ये प्रयास नाकाफी साबित हुए। पिछले तीन महीने से कई गांवों के रकबे में बरसाती पानी जमा है, किसानों को अब गेहूं की फसल की बिजाई समय पर न होने की चिंता सताने लगी थी। पंचायतें सतलोक आश्रम में पहुंची और पानी निकासी के लिए मदद मांगी। लाखों रुपए नकद और हजारों पाइप और मोटरें लेकर संस्था के पदाधिकारी गांवों में पहुंचे।

महम। संत रामपाल महाराज की संस्था सतलोक आश्रम के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

स्मृति चिन्ह देकर किया सममानित

प्रधान सुभाष नम्बरदार ने बताया कि संत रामपाल ने महम चौबीसी के सैमाण, भैणी सुरजन, भैणीभैरों, महम शहर, इमलीगढ़, किशनगढ़, सीसर खास, बहलबा, फरमाणा व बेडवा गांवों में पानी निकासी का प्रबंध सन्त रामपाल महाराज की तरफ से किया गया है। चौबीसी सर्वखाप ने सन्त रामपाल के पगड़ी शाल व स्मृति चिन्ह के अलावा मानव रक्षक सम्मान दिया। सन्त रामपाल की अनुपस्थिति में उनके भाई को सन्त रामपाल का सम्मान सौंपा गया। इस मौके पर जाटू खाप 84 के प्रधान कैप्टन भीमसिंह सिवाच, दहिया खाप प्रधान जयपाल दहिया, जयबीर सिंह कुंडू खाप प्रधान व मलिक राज समेत कई खाप प्रतिनिधि मौजूद थे।

संतोष कैंसर फाउंडेशन ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रोहतक। संतोष कैंसर फाउंडेशन द्वारा रविवार को ग्राम पंचायत भवन, लाहली में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। वी केयर कैंसर सेंटर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और खुराना आई सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच को विस्तार देना और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करना था। शिविर में नेत्र रोग, कान-नाक-गला, स्त्री रोग, दंत चिकित्सा, मोटापा नियंत्रण, हड्डियों से जुड़ी समस्याएं, बीपी, शुगर तथा अन्य मौसमी बीमारियों की जांच की गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिकों ने शिविर में भाग लिया और निःशुल्क परामर्श, एक्स-रे, दवाइयाँ और चश्मों का लाभ प्राप्त किया।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- ICU Staff 6
- PRO/Marketing Executive 6
- Ward Boy 2
- Gate Keeper 2
- Computer Operator (Male) 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बसाना (खंड कलानौर) ने गांव स्थित नायक चौपाल तथा वीटा डेयरी की कंडम बिल्डिंग के पुराने सामान को खुली बोली के द्वारा बेचने का निर्णय लिया है। इसके लिए खुली बोली 14 अक्टूबर 2025 को मंगलवार सुबह 11:00 बजे लाइब्रेरी के साथ वाली चौपाल में आयोजित की जाएगी। इसके लिए धरोहर राशि 20000/- (बीस हजार रूपये) होगी। बाकी की शर्तें पर मौके पर सुनाई जाएंगी। इच्छुक व्यक्ति मौके का लाभ उठाएं।

कुसुम — हस्ता/-पिंकी सरपंच
ग्राम सचिव बसाना — ग्राम पंचायत
खंड कलानौर — बसाना (रोहतक)
फो.नं. 9992712804

खबर संक्षेप

सोहम मंदिर के सामने ट्राली सड़क में धंसी

रोहतक। सोहम मंदिर के सामने सड़क अचानक धंस जाने से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह मंदिर के पास से गुजर रही एक ट्रैक्टर-ट्राली सड़क के धंसे हुए हिस्से पर चढ़ गई, जिससे ट्राली का पिछला टायर गड्ढे में धंस गया। सड़क के बीचो-बीच करीब तीन फुट गहरा गड्ढा बन गया था। स्थानीय लोगों ने तुरंत ट्रैक्टर चालक को सतर्क किया और मदद से ट्राली को बाहर निकाला। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से इस सड़क पर पानी भरने और सीवर लाइन लीकेज की समस्या बनी हुई थी, जिससे सड़क की नींव कमजोर हो गई। नागरिकों ने नगर निगम से मांग की है कि तुरंत सड़क की मरम्मत कराई जाए ताकि कोई बड़ा हादसा न हो। फिलहाल निगम कर्मचारियों को सूचना दे दी गई है और मौके का निरीक्षण करवाया जा रहा है।

रैनकपुरा की कीर्ति ने ताइक्वांडो में जीता गोल्ड

रोहतक। रैनकपुरा की बेटी कीर्ति ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए अंबाला में आयोजित 37वीं हरियाणा स्टेट ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर राज्य स्तर पर गौरव बढ़ाया है। इस जीत के साथ ही कीर्ति ने नेशनल चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।
कीर्ति ने इससे पहले जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी कई मेडल अपने नाम किए हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। कीर्ति के पिता बलजीत ने बताया कि बेटी ने हमेशा खेल को प्राथमिकता दी और लगातार अभ्यास से सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि कीर्ति की यह उपलब्धि न केवल परिवार बल्कि गर्व की बात है। ग्रामीणों ने कीर्ति को शुभकामनाएं दीं और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एक दर्जन से ज्यादा युवक युवतियों को लिया हिरासत में

होटल पर पुलिस की रेड, अनैतिक गतिविधियों का किया भंडाफोड़

गुप्त सूचना के आधार पर आर्य नगर थाना पुलिस ने की कार्रवाई

पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की सख्ती से होटल संचालकों में हड़कम्प मचा हुआ है। आने वाले दिनों में पुलिस यह कार्रवाई और तेज कर सकती है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिला पुलिस ने रविवार देर शाम शहर के एक होटल में छापा मारकर अनैतिक गतिविधियों का खुलासा किया। गुप्त सूचना के आधार पर आर्य नगर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की, जिसमें एक दर्जन से अधिक युवक और युवतियों को हिरासत में लिया गया। जानकारी के अनुसार, होटल में लंबे समय से महिलाओं से अनैतिक कार्य करवाए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इसी सूचना पर एएसपी प्रतीक अग्रवाल के नेतृत्व में टीम ने रेड की। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की सख्ती से होटल संचालकों में हड़कम्प मचा हुआ है। आने वाले दिनों में पुलिस यह कार्रवाई और तेज कर सकती है।

सिलसिलेवार होंगी रेड

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि रोहतक में होटलों में अनैतिक कार्य नहीं करने दिए जाएंगे। इसके लिए हर थाना क्षेत्र में अलग अलग टीमें तैयार की जाएंगी। वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में टीमें होटलों में चैकिंग करेंगे और जहां देह व्यापार जैसे धंधे चलते हुए पाए गए, वहां सख्त कार्रवाई कर होटल सील किए जाएंगे। पुलिस की सख्ती से होटल संचालक सकते में हैं। इससे पहले भी कई बार नया बस अड्डा एरिया में स्थित होटलों में रेड कर देह व्यापार के धंधे का खुलासा किया जा चुका है।

युवक, युवतियों को हिरासत में लिया

जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली पालिका बाजार के पास एक होटल में काफी समय से अनैतिक कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके लिए बाहर से लड़कियों को बुलवाया गया है। इसके आधार पर आर्य नगर पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने होटल की तलाशी के बाद कई युवक, युवतियों को हिरासत में लिया है। उनकी पहचान कर उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है।

पुलिस ने होटल को सील किया

एएसपी प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि होटल संचालक अवैध गतिविधियों में संलिप्त था और बाहर से महिलाओं को बुलाकर उनसे देह व्यापार करवाया जाता था। पुलिस ने होटल को सील कर दिया है और संचालक सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। हिरासत में लिए गए सभी व्यक्तियों से पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस कार्रवाई से शहर में हड़कंप मच गया है।

मंडियों में धान के ढेर, खरीद ठप रहने से किसानों की बढ़ी चिंता

धीमी उठान गति से मंडियों में जगह की किल्लत, 15 दिन से रुके हैं कई किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिले की अनाज मंडियों में रविवार को धान की खरीद पूरी तरह ठप रही। अवकाश के चलते किसी भी खरीद एजेंसी ने किसानों की फसल नहीं उठाई। हालांकि, पुराने खरीदे गए धान का उठान आज भी जारी रहा, लेकिन वह बेहद सुस्त गति से चल रहा है। मंडियों में अब हालत यह है कि जगह की कमी के कारण नई आवक का धान रखने तक की जगह नहीं बची।

रविवार को केवल पीआर धान की करीब 2800 क्विंटल आवक दर्ज की गई। मंडी परिसर में सुबह से किसान अपनी ट्रालियां खड़ी करके इंतजार करते रहे, लेकिन खरीद शुरू नहीं होने से मायूसी छाई रही। किसानों का कहना है कि प्रशासन और एजेंसियों की सुस्ती ने हालात बिगाड़ दिए हैं। पिछले कई दिनों से मंडियों में खरीदा गया धान पड़ा हुआ है, जिससे नई खेप का उठान प्रभावित हो रहा है। गांव रिटौली निवासी सुमित ने बताया कि उन्होंने 250 क्विंटल धान मंडी में 20 दिन पहले लाया था। लेकिन अब तक उनका माल खरीदा नहीं गया। उनका कहना है कि एजेंसी के कर्मचारी हर बार किसी न किसी बहाने से खरीद टाल देते हैं। कभी नमी का बहाना बना दिया जाता है तो कभी रंग खराब बताकर खरीद से मना कर दिया जाता है। सुमित ने बताया कि मजबूरी में कई किसान अपनी फसल को औने-पौने दामों में बेचने को तैयार हो जाते हैं। कुछ एजेंट ऐसे किसानों का धान 900 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल तक में खरीद रहे हैं, जबकि सरकार ने एमएसपी 2369 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। किसानों का आरोप है कि खरीद प्रक्रिया में पूरी तरह मनमानी चल रही है।

यह बोले किसान

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खरीद में देरी के कारणों की जांच की जाए और उठान कार्य को तेज किया जाए। साथ ही एजेंसियों को आदेश दिए जाएं कि वे किसानों की फसल में अनावश्यक खामियां न निकालें। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में हालात नहीं सुधरे तो वे जिला स्तर पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी अपनाओः नांदल

सांपला। जीएसटी की घटी दरों और आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत रविवार को बीजेपी ने कस्बे में एक जागरूक अभियान चलाया। जिसमें स्वदेशी सम्मान को इस्तेमाल करने के लिए जागरूक किया। प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने इस अभियान के तहत लोगों को कहा कि भारत की आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी सामान को अपनाओ। उन्होंने कहा कि यदि भारत को आत्मनिर्भर बनाना है तो अपने ही देश में तैयार सामान का इस्तेमाल करना होगा। पूर्व महा मंत्री पवन खत्री ने कहा कि स्वदेशी अपना कर देश की तरककी में योगदान करें। वहीं स्वदेशी अपनाने से अपने देश के प्रति सच्ची निष्ठा होगी। बीजेपी ने 25 सितंबर से हर गांव स्वदेशी, हर घर स्वदेशी अभियान चलाया हुआ है ,जो 25 दिसंबर तक चलेगा।
इस अभियान में महावीर धमीजा, जिला पवन खत्री, भूपेंद्र खत्री, ऋषि पाल, हेमंत ,रमेश ,कृष्ण अटायल, श्रीनिवास, विक्की, पवन, आनंद, राजेंद्र, शांति स्वरूप, संदीप , जितेंद्र, प्रेमदत्त सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।

आईबी स्कूल में हुआ शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत लाभदायक एवं प्रेरणादायक बताय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आईबी स्कूल में एक दिवसीय 'लाइफ स्किल (एडवांस)' विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों में जीवन कौशल से संबंधित आधुनिक ज्ञान, व्यवहारिक समझ तथा कक्षा शिक्षण में इनके प्रभावी उपयोग को बढ़ाना था।

कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में डॉ. सुमन बलहारा एवं सुश्री हर्षा शर्मा ने शिक्षकों को लाइफ स्किल के विभिन्न पहलुओं जैसे आत्म-जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता, संप्रेषण कौशल, टीम वर्क, भावनात्मक संतुलन एवं समस्या समाधान पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि आज के समय में विद्यार्थियों में जीवन कौशल का विकास उतना ही आवश्यक है जितना कि शैक्षणिक ज्ञान, क्योंकि यही कौशल जीवन में सफलता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को विकसित करते हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईबी स्कूल के साथ-साथ विभिन्न अन्य विद्यालयों से आए शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी शिक्षकों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत लाभदायक एवं प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए और यह आश्वासन दिया कि वे प्राप्त ज्ञान एवं तकनीकों को अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु लागू करेंगे। आईबी स्कूल प्रबंधन ने दोनों प्रशिक्षकों एवं सहभागी शिक्षकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को निरंतर अद्यतन रखते हैं तथा शिक्षा की गुणवत्ता को और सशक्त बनाते हैं।

खिलाड़ियों ने नेशनल योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में चमक बिखेरी

रोहतक। योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 9 से 12 अक्टूबर तक आयोजित 50वीं सीनियर नेशनल योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। हरियाणा स्टेट योगा एसोसिएशन के मीडिया संयोजक डॉ. जनक राज ने बताया कि टीम ने विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 18 से 21 वर्ष (महिला वर्ग) में अंजलि ने गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा को प्रथम स्थान दिलाया, जबकि पुरुष वर्ग में सुमित ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया और कुणाल राजपूत पांचवें स्थान पर रहे। 21 से 25 वर्ष (महिला वर्ग) में अंशिका और निशा रानी पांचवें और छठे स्थान पर रहीं, वहीं पुरुष वर्ग में गीतांशु और भविष्य ने संयुक्त रूप से चौथा स्थान प्राप्त किया। 25 से 30 वर्ष (महिला वर्ग) में दीक्षा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और पुरुष वर्ग में चैतन्य ने भी ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 30 से 35 वर्ष (पुरुष वर्ग) में कमल सिंह ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि लक्ष्मी (महिला वर्ग) पांचवें स्थान पर रहीं। आर्टिस्टिक योग इवेंट्स में भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया।

- मैसूर में आयोजित 50वीं सीनियर नेशनल योग स्पर्धा में जीते अनेक पदक

वैदिक ज्ञान प्रचारिणी ब्राह्मण सभा कलानौर ने मनाया कैबिनेट मंत्री का जन्मदिवस

कलानौर। रविवार को कलानौर स्थित वैदिक ज्ञान प्रचारिणी ब्राह्मण सभा में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा का जन्मदिन बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। ब्राह्मण सभा के प्रधान सुरेश शर्मा ने बताया कि कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा के जन्मदिवस पर लड्डू बांटकर,केक काटकर व पौधारोपण करके मनाया गया। उन्होंने बताया कि सभी ने डॉ अरविन्द शर्मा के दीर्घायु व उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उन्होंने बताया कि डॉ अरविन्द शर्मा 36 बिरादरी को साथ लेकर समाज की सेवा कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द सभी वर्ग के हितेषी हैं। इस मौके पर प्रधान सुरेश शर्मा, आनंद शर्मा डायरेक्टर, श्रीनारायण कौशिक, सरपंच भगवत दयाल, विनोद शर्मा, रमेश कौशिक, दीनदयाल शर्मा, नवीन सार्वणी, मुकेश पराशर, सतीश शर्मा, सुनील शर्मा आदि मौजूद रहे।

दीपावली पर प्रदूषण न फैलाने का दिया संदेश

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में वाणिज्य विभाग द्वारा दिवाली मेला आयोजित किया गया। दिवाली मेले में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने बढ चढकर भाग लिया। प्राचार्य डॉ सत्यव्रत ने दीवाली मेले का शुभारंभ किया। दीवाली मेले की संयोजक रितु सोलंकी रही। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित किया। दीवाली उत्सव के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से पटाखे न बजाकर प्रदूषण न फैलाने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय प्रांगण में स्वच्छता बनाए रखने के लिए छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। दिवाली मेले में सेल्फी प्वाइंट, फूड स्टॉल व गेम्स आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में हस्तनिर्मित वस्तुएं भी प्रदर्शित की गई। प्राध्यापकों और छात्र छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और हस्तनिर्मित वस्तुओं के बारे में जानकारी जुटाई। इस मौके पर रितु सोलंकी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. वर्षा, पिंकी व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

महम। दीपावली मेले में विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रिंसिपल डॉ. सत्यव्रत व साथ मौजूद अन्य प्राध्यापक। फोटो : हरिभूमि

अगले चार महीने में हर हाल में नियुक्ति करना चाहता है विवि प्रशासन

शिक्षक भर्ती के लिए नई एसओपी का पालन नहीं करना चाहता एमडीयू!

नई एसओपी के मुताबिक भर्ती नहीं की तो कई वर्गों के हकों पर पड़ेगा डाका

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

अमरजीत एस गिल. रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) अगले चार महीने में हर हाल में शिक्षकों की भर्ती करना चाहता है। इतनी जल्दी क्यों, इस बारे में तो यूनिवर्सिटी अधिकारी ही जानते हैं। कोई कह रहा है कि वीसी प्रो. राजबीर सिंह का कार्यकाल 18 फरवरी 2026 को संपन्न हो रहा है। इसलिए वीसी उससे पहले भर्ती करना चाहते हैं। राज्य सरकार चाहती है कि भर्ती प्रक्रिया में पूरी तरह से पारदर्शिता रहे। इसके लिए बकायदा गत 18 सितंबर को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई। इस एसओपी की पालना होती है तो फिर रोस्टर के मुताबिक भर्ती होगी। खुद सरकार भी चाहती है कि रोस्टर के अनुसार ही भर्ती हो, लेकिन एमडीयू प्रशासन नहीं चाहता है कि नई एसओपी के मुताबिक भर्ती हो। अगर एसओपी की पालना की जाती है तो यूनिवर्सिटी को दोबारा आवेदन पत्र आमंत्रित करने पड़ेंगे। इसमे काफी समय लग जाएगा।

शिक्षकों के 408 पद स्वीकृत

दोबारा आवेदन पत्र आमंत्रित कर लिए गए तो वीसी अपना कार्यकाल संपन्न होने से पहले शिक्षकों की भर्ती कर नहीं पाएंगे। लेकिन वे अड़े हुए हैं कि शिक्षकों की भर्ती करके ही यूनिवर्सिटी से रुखसत होंगे, इससे पहले नहीं। रोस्टर के मुताबिक जिस-जिस वर्ग की शिक्षक पद पर भर्ती होनी है, उन्हें ये एहसास हो चला है कि नई एसओपी के मुताबिक भर्ती नहीं होगी। इसलिए भर्ती प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ध्यान रहे विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 408 पद स्वीकृत हैं। इनमें से आधे से अधिक खाली हैं। 111 पद पर सहायक प्रोफेसर, 21 पर एसोसिएट प्रोफेसर और 11 प्रोफेसर के पद भरे जाने हैं।

नहीं अपनाई थी एकरूपता

सूत्र बताते हैं कि विश्वविद्यालय ने पुरानी एसओपी के आधार पर वैकेंसीज एडवर्टाइज की थी, उसने सबसे बड़ी खामी यह थी कि वह उच्च अधिकारियों ने अपनी इच्छा के हिसाब से तैयार किया था और मनमाने तरीके से अलग अलग विभाग में एससी/ बीसी/जनरल इत्यादि के पद विज्ञापित किए थे। बताया जा रहा है कि उच्च अधिकारियों ने अपनी इच्छा के अनुरूप किसी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर की पोस्ट को तो अनारक्षित घोषित कर दिया तथा किसी विभाग की पोस्ट को एससी / बीसी कैटेगरी में डाल दिया। सरकार ने इसी भेदभाव को खत्म करने के लिए नयी एसओपी जारी की है। लेकिन एमडीयू इसे न अपनाकर 143 शिक्षकों की भर्ती करेगी।

क्या कहते हैं अधिकारी

18 सितंबर 2025 को जारी की गई एसओपी हमारी भर्ती प्रक्रिया पर लागू नहीं होगी। क्योंकि हम एसओपी जारी होने से पहले आवेदन पत्र आमंत्रित कर चुके हैं।
-प्रो. एससी मलिक, डीन अकेडमिक अफेयर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक

रोस्टर के बारे में जानें

नई एसओपी के मुताबिक अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (डीएससी) एवं पिछड़े वर्षों (बीसी) के उम्मीदवारों को भर्ती में उनका हक मिले। इसके लिए एसओपी जारी की गई है। इसमें विश्वविद्यालय को एक इकाई माना जाएगा, अलग-अलग संवर्ग-वार रोस्टर की आवश्यकता, एसईडब्ल्यूए द्वारा अनिवार्य रोस्टर सत्यापन, कालानुक्रमिक रूप से रोस्टर बिंदुओं का निर्धारण, बैकलॉग के लिए प्रक्रिया की व्यवस्था की गई है। वहीं, पुरानी एसओपी के अनुसार अब तक विश्वविद्यालय भर्ती प्रक्रिया में दिक्कत इसलिए आ रही थी, क्योंकि विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर का जो पद है वह एक ही विषय का नहीं है और अलग-अलग विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद होते हैं, जिसके कारण से 100 पॉइंट रिजर्वेशन रोस्टर पर इनका सीधा मैप नहीं किया जा सकता है। पुरानी में पिछड़े वर्ग के बैकलॉग को देने और सही से लागू करने के कोई आदेश नहीं दिए गए थे। नई एसओपी में साइंटिफिक तरीके से बताया गया है कि किस विषय के पद को किस आधार पर 100 पॉइंट रिजर्वेशन रोस्टर में मैप किया जाएगा। एससी या बीसी कैटेगरी का बैकलॉग यदि होगा तो उसको किस प्रकार से लागू किया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20